भूमिका vii

सम्पादकीय ix

लेखक परिचय xi

1. यहूदी-ईसाई सोद्देश्यवाद और शैल-कला वर्गीकरण — *के. के. चक्रवर्ती* 1
2. सिंघनपुर एवं कबरा पहाड़ के शैल-चित्रों का काल निर्धारण — *सीताराम शर्मा* 19
3. रामायणयुगीन इतिहास लेखन के नवीन स्रोत : शैल-चित्र — *श्यामसुन्दर सक्सेना* 23
4. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की शैल-चित्रकला — *कृष्ण कुमार त्रिपाठी* 47
5. शैल-चित्रकला : उत्तर पूर्वी राजस्थान के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन — *मुरारीलाल शर्मा* 57
6. छुईखदान के भित्ति-चित्र — *आर. एन. विश्वकर्मा* 89
7. छत्तीसगढ़ के शैल-चित्र : मानव सभ्यता के आदि हस्ताक्षर — *जियाउल हुसैनी* 95
8. छत्तीसगढ़ के शैल-चित्र एवं प्रतीकात्मक अंकन — *प्रदीप शुक्ल* 101
9. बसनाझर : प्रागैतिहासिक मानव के विकास का अगला चरण — *आशीषधर दीवान* 105
10. नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा जिले के प्रागैतिहासिक शैल-चित्र — *जी. के. चन्द्रौल* 111
11. छत्तीसगढ़ के शैलचित्रों में चित्रांकन — *सी. के. शाह* 115
12. श्यामरी नदी घाटी से प्राप्त शैलचित्र — *मशकून अहमद* 121
13. शैल-चित्रों में नृत्य मुद्रायें — *रमेश वारिद* 125
14. मयूर चित्र का वैशिष्ट्य — *श्रीमती अगम कुमार कुलश्रेष्ठ* 133
15. भारत के शैल-चित्रों से संबंधित कुछ ज्वलंत प्रश्न — *कृष्ण कुमार झा* 137
16. छत्तीसगढ़ राज्य के महत्त्वपूर्ण चित्रित शैलाश्रय — *भारती श्रोती* 139
17. कुलगांव का शैलचित्र : आदिम कला का दर्पण — *ऊषा ठाकुर* 145
18. रायगढ़ क्षेत्र के शैलचित्रों का धार्मिक पक्ष — *मंगलानन्द झा* 149

1. पुराकला का उद्भव, उसकी सुरक्षा में जन आस्था की भूमिका	*रमेश कुमार पंचोली*	153
2. छत्तीसगढ़ की चट्टानों पर टंकित, संस्कृति के स्वर्णिम श्लोक	*महेशचन्द्र शर्मा*	155
3. जीवन की रूपात्मक अभिव्यक्ति : प्रागैतिहासिक शैल-चित्र	*अश्विनी कुमार शर्मा*	157
4. भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित शैलाश्रय तथा उनका प्रबंधन	*नारायण व्यास*	159
5. आदिम जनजीवन की झलक मिलती है काँकेर के शैलचित्रों में	*जे. आर.वार्ल्यनी*	161
6. खरसिया तहसील (जिला-रामगढ़) के शैलचित्र	*सी. के.शाह*	163
7. रायगढ़ जिले के शैलचित्र-ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	*गोपाल नागोराव शेष*	165
8. प्रागैतिहासिक चित्रकला में नारी	*भारती श्रोती*	167
9. सिंघनपुर-कबरा पहाड़ के शैलचित्र	*राहुल कुमार सिंह*	169
10. सिरोली ढोंगरी : सारंगढ़ के शैलचित्र	*एस. एल.कोका*	171
11. सिरोली डोंगरी शैलाश्रय में अश्मनिकष	*आर. एस.ठाकुरएवं जी. एल.बादाम*	173